B-III
L-04
MIH

बंगाल विजय

प्लासी की लड़ाई - 23 जून 1757 :-

ईस्ट इण्डिया कंपनी बनाम सिराजुद्दौला
नेतृत्व कर्ता - क्लाइव

कारण :-

1717 का फरमान मुगल शासक फर्रूखसियर (1713-19) 1717 मे बंगाल, बिहार, उड़ीसा में कम्पनी को 3000 हजार रूपये वार्षिक अदा करने पर मुक्त व्यापार की अनुमति प्राप्त की। कंपनी इस अधिकार का दुरूपयोग करती थी नवाब और कंपनी के बीच का तनावपूर्ण कारण था।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

कम्पनी की महत्वाकांक्षा :

- द्वितीय कर्नाटक युद्ध में विपरीत परिस्थितियों में कम्पनी ने अपनी स्थिति को सुदृढ़ किया जिससे कंपनी का आत्मविश्वास बढ़ा
- 1756 में सिराजुद्दौला बंगाल का नवाब बना नवाब के कुछ संबंधियो ने उसका विरोध किया जैसे शौकतगंज, घसीटी बेगम। इन विरोधियों को कंपनी ने समर्थन दिया इससे दोनों के बीच तनाव का बढ़ना स्वाभाविक था।

- कम्पनी के द्वारा नवाब को चुनौती दी गई जैसे नवाब के आदेश के बावजूद कंपनी ने कलकता की किलेबंदी की। कंपनी ने कलकता में भारतीय वस्तुओं पर कर लगाया।
- प्रतिक्रिया स्वरूप बंगाल के नवाब ने अंग्रेजों के व्यापारिक केन्द्र कासिम बाजार एवं कलकता पर नियंत्रण स्थापित किया।

नोट :- • कलकता की जिम्मेदारी मानिकचंद्र नामक अधिकारी को सौंपा और कलकता का नाम अलीनगर रखा।

- बड़ी संख्या में अंग्रेजों ने फुल्टा द्वीप मे शरण ली और मद्रास से मदद मांगी।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- मद्रास से क्लाइव एवं वाटसन के नेतृत्व में एक छुट सेना बंगाल भेजी गई क्लाइव ने लालच देकर मानिकचंद्र को अपनी तरफ मिलाया और कलकता पर नियंत्रण स्थापित किया इसके बाद फ्रांसीसी व्यापारी केन्द्र चंद्रनगर पर भी कब्जा किया।
- क्लाइव ने नवाब को हटाने की योजना बनाई इसमें नवाब के कई अधिकारी एवं धनी लोग शामिल थे जैसे - मीर जाफर, राय दुर्लभ, खादिम खान, अमीचन्द्र, जगतसेठ इत्यादि।

• योजना के अनुरूप प्लासी नामक स्थान पर दोनों के बीच लड़ाई हुई और कुछ ही घंटो में कंपनी की सेना युद्ध में सफल हुई।

नोट :- काल कोठरी की दुर्घटना - हालवेल ने इसका उल्लेख किया है।

प्लासी की लड़ाई का अंग्रेजों के दृष्टिकोण से महत्व :-

(i) आर्थिक दृष्टिकोण से :-

• एक बड़ी राशि कम्पनी और उसके अधिकारियों को मुआवजा व उपहार के रूप में दी गई।

• कम्पनी को 24 परगना की जमींदारी दी गई इससे भी कंपनी की आय बढ़ी।

• कम्पनी के साथ-साथ कम्पनी के कर्मचारियों को भी बंगाल में मुक्त व्यापार की सुविधा दी गई।

(ii) राजनीतिक महत्व :-

• कम्पनी की पहचान व्यापारिक शक्ति के स्थान पर राजनीतिक शक्ति के रूप में निर्मित हुई।

• बंगाल के प्रशासन पर कम्पनी का अप्रत्यक्ष प्रभाव स्थापित हुआ।

• कंपनी की महत्वाकांक्षा बढ़ी।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

• बंगाल के संसाधनों का उपयोग भारतीय उत्पादों को खरीदने एवं भारत में साम्राज्य विस्तार के लिए किया गया।

नोट :-

1757 में मीरजफार को बंगाल का नवाब बनाया गया 1760 में मीरजाफर को हटा कर अंग्रेजों ने मीरकासिम को नवाब बनाया, मीरकासिम ने अंग्रेजों को वर्धमान, मिदनापुर, चटगांव की जमींदारी प्रदान की।

बक्सर का युद्ध - अक्टूबर - 1764 :-

ईस्ट इण्डिया कम्पनी बनाम मीरकासिम - बंगाल
↓ सुजाउद्दौला - अवध
(हेक्टर मुनरो) शाहआलम II - मुगल

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

कारण :

• कम्पनी मीरकासिम को अधीन बनाए रखना चाहती थी मीरकासिम एक स्वतंत्र शासक के रूप में कार्य करना चाहते थे।
दोनो की महत्वकांक्षा युद्ध का महत्वपूर्ण कारण बना।

• मीरकासिम ने कुछ ऐसे कार्य किये जिसे अंग्रेजो ने चुनौती के रूप में देखा।
जैसे - मुर्शिदाबाद के स्थान पर मुंगेर को राजधानी बनाया, मुंगेर में बंदूको का कारखाना लगाना, ब्रिटिश समर्थक अधिकारी रामनरायण की हत्या।

• कम्पनी के कर्मचारी के द्वारा मुक्त व्यापार की सुविधा, भारतीय व्यापारियों को अवैध तरह से उपलब्ध करवाये जा रहे थे। इससे नवाब को आर्थिक नुकसान हो रहा था।

• अंततः नवाब ने भारतीय व्यापारियों को भी कर मुक्त व्यापार की सुविधा प्रदान की इसी मुद्दे को लेकर दोनों में युद्ध प्रारम्भ हुआ।

युद्ध के पश्चात सान्धि :-

(i) फरवरी 1765 में बंगाल के नवाब नज्मुद्दौला से सान्धि।

• बंगाल के सैनिकों की संख्या में व्यापक कटौती की गई।

• बंगाल के शासन का संचालन नायब सूबेदार की सहायता से किया जायेगा इसकी नियुक्ति कंपनी के द्वारा की जायेगी।

* क्लाइव के द्वारा दोनों सान्धि की गई।

(ii) अगस्त 1765 - मुगल शासक से इलाहाबाद की सान्धि।

• मुगल शासक को 26 लाख रूपये वार्षिक पेंशन दिया गया तथा कोरा एवं इलाहाबाद का क्षेत्र।

• मुगल बादशाह ने कंपनी को बंगाल, बिहार, उड़ीसा का दिवानी (मुख्यतः राजस्व) अधिकार दिया।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

(iii) 1765 अवध के नवाब के साथ इलाहाबाद की सन्धि।

- अवध से एक बड़ी राशि मुआवजे के रूप में ली गई तथा कोरा एवं इलाहाबाद का क्षेत्र।
- अवध की सुरक्षा की जिम्मेवारी कंपनी पर होगी और इसका खर्च अवध को देना होगा।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR